श्री हरिवंश (बिहार): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, there is a Short Duration Discussion notice given by many Members on how, after demonetisation and GST, prices have gone up. Please consider it.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. We will consider it.

Concern over the poor quality of food served in trains

श्री रेवती रमन सिंह (उत्तर प्रदेश): डिप्टी चेयरमैन साहब, मैं इस सदन के संज्ञान में एक गंभीर मसला लाना चाहता हूं। रेलवे भारत का सबसे बड़ा पब्लिक कैरियर है। अढ़ाई करोड़ लोग हर रोज़ इससे सफर करते हैं। अभी सीएजी की एक रिपोर्ट आई थी, लेकिन उसके पहले से एक शिकायत की जा रही थी कि रेलवे का खाना अच्छा नहीं होता है और सीएजी की रिपोर्ट आने के बाद यह बिल्कुल साफ हो गया कि जनता की जो शिकायत थी, वह बिल्कुल सही थी। वह खाना ऐसे पानी में बनाया जाता है, जो अशुद्ध होता है। वे गंदे पानी में खाने को पकाते हैं और जो खाना बच जाता है, दूसरे दिन वही खाना गर्म करके पब्लिक को दे देते हैं। मान्यवर, वह सब खाना खुला रहता है। उसके ऊपर तिलचट्टे, चूहे और अन्य कीड़े घूमते रहते हैं और उसे खाते रहते हैं। यह बहुत गम्भीर मामला है। रेलवे में लगभग ढाई करोड़ आम आदमी ज्यादातर सफर करते हैं। वे हवाई जहाज से सफर नहीं कर सकते हैं।

मान्यवर, इस सरकार ने रेलवे का जितना किराया बढ़ाया है, उतना पिछले 70 सालों में कभी नहीं बढ़ा। इसकी दो casualties हैं। एक तो खाना गन्दा, खराब, घटिया और sub-standard होता है और दूसरे सेफ्टी का मामला है। इस सरकार के समय में जितने एक्सीडेंट्स हुए और जितने लोग मारे गए, उतने कभी नहीं मारे गए।

मान्यवर, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि खाने की क्वालिटी को ठीक कराएं और उसे कम से कम शुद्ध पानी में तो बनाया जाए। आम आदमी रेल में सफर करता है, वह रेलवे का खाना खाकर बीमार पड़ जाता है। उसे खाने से बीमारी हो जाती है। इसलिए मैं आपसे आग्रह करूंगा कि आप सरकार को और रेल मंत्री को निर्देश दें कि खाने की क्वालिटी इम्प्रूव कराएं और कम से कम casualties हों।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is a very serious issue. Names of all those who associated themselves with the matter will be added, including Shri Kiranmay Nanda, Shri Motilal Vora. I think, the Government should take serious note of it because the foods are very sub-standard.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF MINORITY AFFAIRS; AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI) : Okay, Sir.

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

श्री किरनमय नन्दा (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

डा. तज़ीन फातमा (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको संबद्ध करती हूँ।

†**محترمہ تزئین فاطمہ (اترپردیش)** : مہودے، مانیئے سدسیئے دوارا اٹھائے گئے وِشے سے میں بھی اپنے آپ کو سمبدّ کرتی ہوں۔

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

श्री मोतीलाल वोरा (छत्तीसगढ़): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

श्री परवेज़ हाशमी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

श्री विवेक के. तन्खा (मध्य प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

SHRI RIPUN BORA (Assam): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member, Shri Rewati Raman Singh.

†Transliteration in Urdu script.

कुछ माननीय सदस्यः महोदय, माननीय सदस्य द्वारा सदन में उठाए गए विषय से हम भी अपने आपको संबद्ध करते हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Prasanna Acharya.

Need to accord official recognition to the Paik Rebellion in Odisha in 1817

SHRI PRASANNA ACHARYA (Odisha): Mr. Deputy Chairman, Sir, I am raising a subject relating to our great freedom struggle. As you know, Sir, the people of the country continued their freedom struggle against the Britishers for centuries together. It was for more than two centuries. In 1857, the Sepoy Mutiny took place, which we consider as the first rebellion against the Britishers. But, Sir, before forty years of the Sepoy Mutiny...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Therefore, it is not Sepoy Mutiny, it is the First War of Independence.

SHRI PRASANNA ACHARYA: I am coming to the First War of Independence. Before forty years of that, in the year 1817, there was a great armed revolution against the Britishers, against the British India Company in Paik *Vidroh.* Paik means the soldiers, and it lasted for more than two decades. Thousands of people were imprisoned; many were given life sentences; many freedom fighters were hanged. It was led by the great freedom fighter, Bakshi Jagbandhu, and the then Raja of Puri who was Pushed to Khurda Raja Mukund Dev. And the speciality of that struggle was that, Sir, cross-section of the people in the society took part in that struggle, the Hindus, the Muslims. One of the Muslim leaders of that armed struggle was, Mir Hyder Ali, who was a very important leader of that freedom struggle, and particularly, the tribal community of Odisha, who were called Kandhas, who participated in large numbers in that freedom struggle, and many of them were hanged after the struggle was suppressed by the Britishers.

Sir, recently, the Prime Minister, Shri Modiji, visited Odisha, and he honoured the progenies of the freedom fighters. And, Sir, the President elect, Shri Kovindji, when he was in Odisha in relation to his campaign, he garlanded the statue of Bakshi Jagabandhu. Recently, the Odisha Cabinet passed a unanimous resolution, requesting the Central Government to recognise it as the first struggle for freedom, and the Chief Minister of Odisha also requested the hon. Prime Minister to recognise this struggle as the First War of Independence in the historical struggle for freedom. Recently, the outgoing President, Shri Pranab Mukherjee, on the 20th of this month, inaugurated a function in Vigyan Bhawan, and he categorically said that this Paik *Vidroh* sowed the seeds for the future